

Code No. 1408

CLASS : 9th (Ninth)

Series : 9-April/2021

रोल नं०

संस्कृत

(Only for Fresh/School Candidates)

समय : 2½ घण्टे]

[ पूर्णांक : 80

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 तथा प्रश्न 13 हैं।
- प्रश्न-पत्र में सबसे ऊपर दिये गये कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/ पन्ने न छोड़ें।
- उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें।
- कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई भी दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

निर्देश: -

- (i) प्रत्येकं खण्डम् अधिकृत्य उत्तराणि एकस्मिन् स्थाने क्रमेण लेखनीयानि।
- (ii) प्रश्नसंख्या प्रश्नपत्रानुसारम् अवश्यमेव लेखनीया।
- (iii) श्रेष्ठाङ्गान् प्राप्तये सुवाच्यलेखोऽपेक्ष्यते।

खण्ड: 'क'

(अपठित-अवबोधनम्)

1. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानामुत्तराणि संस्कृतेन लिखत - 5 × 2 = 10  
पुरा भारतवर्षे अयोध्यायां दशरथो नाम राजा राज्यं करोति स्म। तस्य तिस्रः राज्यः आसन् चत्वारश्च पुत्राः।  
भ्रातृषु रामः ज्येष्ठः आसीत्। रामस्य मातुः नाम कौशल्या आसीत्।

1408

P. T. O.

**प्रश्नाः -**

- (क) अयोध्यायां कः राज्यं करोति स्म ?  
 (ख) राज्यः कति आसन् ?  
 (ग) दशरथस्य कति पुत्राः आसन् ?  
 (घ) भ्रातृषु ज्येष्ठः कः आसीत् ?  
 (ङ) कौशल्या कस्य माता आसीत् ?

**खण्डः 'ख'**

**(रचनात्मक-कार्यम्)**

2. प्रदत्तपत्रं पठित्वा मंजूषातः पदानिचित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत -

5 × 1 = 5

(I) .....

प्रधानाचार्यः महोदयः।

रा० व० मा० वि०, भिवानी।

(II) ..... निवेदनमस्ति। अहं रुग्णः (III) ..... अतः दिन द्वयस्य (IV) ..... दत्त्वा माम् अनुगृह्णन्तु भवन्तः।

भवतां शिष्यः -

नाम (V) .....

अनु० 05

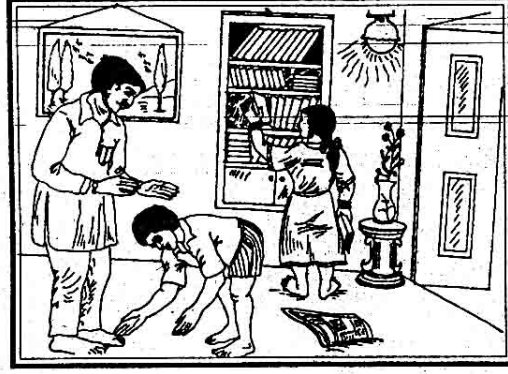
कक्षा - नवमी

**मंजूषा**

(I)	(II)	(III)	(IV)	(V)
देवदत्तः,	अवकाशं,	अस्मि,	सविनयम्,	सेवायाम्।

3. चित्रं दृष्ट्वा मंजूषापदैः वाक्येषु रिक्तस्थानानि पूरयत -

5 × 1 = 5



वाक्यानि -

- (क) ..... गृहस्य अस्ति।  
 (ख) ..... पितरं प्रणमति।  
 (ग) ..... पुत्राय आशीर्वादं यच्छति।  
 (घ) ..... आधारे पुस्तकानि पश्यति।  
 (ङ) गृहं ..... सुन्दरम् अस्ति।

मंजूषा

(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)
बहु,	पुत्री,	पिता,	पुत्रः,	इदंचित्रम्।

खण्डः 'ग'

(पठित-अवबोधनम् )

4. गद्यांश पठित्वा हिन्दीभाषया सरलार्थं सप्रसंगं लिखत -

1 × 5 = 5

- (क) अस्ति हिमवान् नाम सर्वरत्नभूमिर्नगेन्द्रः। तस्य सानोरूपरि विभाति कंचनपुर नाम नगरम्।

## अथवा

(ख) नैतादृशः स्वर्णपक्षो रजतचंचुः स्वर्णकाकः तथा पूर्वं दृष्टः। तं तंडुलान् खादन्तं हसन्तं च विलोक्य बालिका रोदितुम् आरब्धा।

5. श्लोकं पठित्वा हिन्दीभाषया सप्रसंगं सरलार्थं लिखत –

1 × 5 = 5

(क) गुणा गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति,

ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषाः।

आस्वाद्य तोयाः प्रवहन्ति नद्यः

समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेयाः।।

## अथवा

(ख) स भग्नधन्वा विरथो हताश्वो हतसारथिः।

अंकेनादाय वैदेहीं पपात भुवि रावणः।।

6. द्वयोः सूक्तयोः हिन्दीभाषया भावार्थं लिखत –

2 × 2 = 4

(क) आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत्।

(ख) वृत्तं यत्नेन संरक्षेद् वित्तमेति च याति च।

(ग) गुणेष्वेव हि कर्तव्यः प्रयत्नः पुरुषैः सदा।

(घ) एकः परोपकार एकस्मिन् संसारे अनश्वरः।

7. गद्यांश पठित्वा प्रश्नोत्तराणि लिखत –

2 × 1 = 2

एकः परोपकार एव अस्मिन् संसारे अनश्वरः। यः युगान्तपर्यन्तं यशः प्रसूते।

प्रश्नौ –

(क) कः अस्मिन् संसारे अनश्वरः अस्ति ?

(ख) परोपकारः युगान्तपर्यन्तं किं प्रसूते ?

8. श्लोकं पठित्वा प्रश्नोत्तराणि लिखत —

2 × 1 = 2

प्रिय वाक्य प्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।

तस्मात्तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता।।

**प्रश्नौ -**

(क) के तुष्यन्ति ?

(ख) जन्तवः केन तुष्यन्ति ?

9. रेखांकितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत —

4 × 1 = 4

(क) ग्रामे निर्धनास्त्री अवसत्।

(ख) स्वर्णकाकं बालिका प्रार्थयत्।

(ग) सूर्योदयात् प्राक् बालिका तत्रोपस्थिता।

(घ) बालिका निर्धनमातुः दुहिता आसीत्।

10. (शेमुषी-1) पाठ्यपुस्तकात् श्लोकमेकं लिखत प्रश्नपत्रे लिखितान् श्लोकान् विहाय।

1 × 4 = 4

**खण्डः 'घ'**

**(अनुप्रयुक्त-व्याकरणम्)**

11. यथानिर्दिष्टं परिभाषां लिखत —

3 × 2 = 6

(क) कर्ता **अथवा** कर्मकारक की परिभाषा हिन्दी में सोदाहरण लिखें।

(ख) दीर्घ सन्धि **अथवा** व्यंजन सन्धि की परिभाषा हिन्दी में सोदाहरण लिखें।

(ग) द्विगु **अथवा** द्वन्द्व समास की परिभाषा हिन्दी में सोदाहरण लिखें।

खण्ड: 'ड'

(वैकल्पिकप्रश्नाः)

12. प्रश्नानुसारं शुद्धं शब्दरूपं चित्वा लिखत -

15 × 1 = 15

- (क) 1. बालक - पंचमी-एकवचने (बालकेन, बालकं, बालकात्)  
 2. तद् 'पुल्लिग' - प्रथमा-एकवचने (तत्, सः, सा)  
 3. गुरु - तृतीया-एकवचने (गुरुना, गुरणा, गुरुणा)

(ख) प्रश्नानुसारं शुद्धम् उत्तरं चित्वा लिखत -

1. कृ - लट् लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचने किं रूपम् ? (करोति, करोमि, कुर्वन्ति)  
 2. पा - लोट् लकार, मध्यम पुरुष, एकवचने किं रूपम् ? (पिब, पिबः, पिब)  
 3. गम् - लृट् लकार, उत्तम पुरुष द्विवचने किं रूपम् ? (गमिष्यति, गमिष्यथः, गमिष्यावः)

(ग) प्रश्नानुसारं उचित विभक्तिं चित्वा लिखत -

1. नमः" योगे का विभक्तिः ? (द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी)  
 2. प्रति" योगे का विभक्तिः ? (द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी)  
 3. सह" योगे का विभक्तिः ? (द्वितीया, तृतीया, पंचमी)

(घ) उचित अव्ययपदेन रिक्तस्थानं पूरयत -

1. वित्तमेति .... याति च । (च/न)  
 2. .... सत्यं वद । (कदा/सदा)  
 3. वचने .... दरिद्रता । (का/आम्)

(ड) उपसर्ग पृथक् लिखत -

1. प्रतिकूलानि
2. वियोगः
3. आसाद्य

13. यथानिर्दिष्ट प्रश्नेषु शुद्धम् उत्तरं चित्वा लिखत -

13 × 1 = 13

(क) 1. नि + अवसत्' अत्र किं सन्धिपदम् ?

- I निवसत्                      II न्यावसत्                      III न्यवसत्।

2. वृक्षस्योपरि अत्र किं सन्धिविच्छेदपदम् ?

- I वृक्षस्यो + परि                      II वृक्षस्य + ऊपरि                      III वृक्षस्य + उपरि

(ख) 1. नगानाम् इन्द्रः' अत्र किं समस्तपदम् ?

- I नागेन्द्रः                      II नरेन्द्रः                      III नगेन्द्रः

2. गृहोद्यनम्' अत्र किं विग्रहपदम् ?

- I गृह उद्यानम्                      II गृहो द्यनम्                      III गृहस्य उद्यानम्

(ग) 1. निक्षिप्य' इति पदे कः प्रत्ययः ?

- I यत्                      II ण्यत्                      III ल्यप्

2. वृद्ध + टाप् संयोगे किं रूपम् ?

- I वृद्धः                      II वृधा                      III वृद्धा

(घ) 1. ईश्वरः' पदस्य किं पर्यायम् ?

- I प्रभू                      II परभूः                      III प्रभुः

2. नारी' पदस्य किं पर्यायम् ?

I इस्तरी                      II इस्त्री                      III स्त्री

(ड) 1. श्वेतः' पदस्य किं विलोमपदम् ?

I कृष्णः                      II रक्तः                      III पीतः

2. उपरि' पदस्य किं विलोमपदम् ?

I अद्य                      II अध                      III अधः

(च) 50, 60 संख्यापदयोः शुद्धं पदं चिनुत —

I पंचदश                      II पचशत                      III पंचाशत्

I षट्                      II षोडश                      III षष्टिः

(छ) जटायुः' पदस्य विशेषणपदं चिनुत —

I बालकः                      II युवा                      III वृद्धः